

পাট ও সমবর্গীয় তন্তু চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, ব্যারাকপুর

২৫ জুলাই- ৪ আগস্ট ২০২০ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ১৪/২০২০)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute

Barrackpore, Kolkata-700121, West Bengal

www.crijaf.org.in



पाट ओ सहयोगी फसल उत्पादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श
२५ जुलाई- ४ आगस्त २०२०

I. पाट उत्पादनकारी राज्यथुलिर एइ समयेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्य/ कृषि-जलवायु अखणल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गाङ्गेय पश्चिमबङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हगली, हाओड़ा, उतुतर २४ परगना, पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बीकुड़ा, बीरभूम	आगामी २५-२८ जुलाई हालका थेके मावारी वृष्टिर (मोट ५१ मिलिमिटाेर पर्यन्त) सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २७-२८ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमबङ्ग दार्जिलिङ, कोचबिहार, आलिपुरदुयार, जलपाईणुडि, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा	आगामी २५-२८ जुलाई मावारी थेके भारी (मोट १३३ मिलिमिटाेर पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। एइ अखणले सर्वोच्च तापमात्रा २४-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।
आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उपत्यका क्षेत्र मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी २५-२८ जुलाई बङ्गविदुत्सह मावारी (मोट ८४ मिलिमिटाेर मतो) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३९ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २३-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उपत्यका क्षेत्र गोयालपाड़ा, धुबडि, कोकड़ाबाड़, बङ्गईगाँओ, बरपेटा, नलवाड़ि, कामरूप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी २५-२८ जुलाई बङ्गविदुत्सह मावारी थेके भारी (मोट १०२ मिलिमिटाेर मतो) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३७ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २४-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अखणल २ (उतुतर-पूर्व अखणल) पूणिशा, काटिहार, सहर्ष, सुपौल, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगङ्ग	आगामी २५-२८ जुलाई बङ्गविदुत्सह मावारी थेके भारी (मोट ८८ मिलिमिटाेर पर्यन्त) वृष्टिर सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३४ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २५-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्व तटीय समभूमि बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर	आगामी २५-२८ जुलाई बङ्गविदुत्सह खुब हालका थेके हालका वृष्टिर (मोट ११ मिलिमिटाेर पर्यन्त) सञ्जावना। सर्वोच्च तापमात्रा ३३-३७ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २७-२९ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्व ओ दक्षिण-पूर्व समतल अखणल केन्द्रपाड़ा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पूरी, नयागड़, कटक (आंशिक) एवंग गङ्गाम (आंशिक)	आगामी २५-२८ जुलाई खुब हालका थेके हालका वृष्टिर सञ्जावना (मोट २० मिलिमिटाेर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३३-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २५-२९ डिग्रि सेन्टिग्रेडेेर मतो থাকवे।

तथ्य सृत्रः भारतीय आवहाओया विभाग (<http://mausam.imd.gov.in> एवंग www.weather.com)

II. पाट चाषेर जन्य कुषि परामर्श

१। समय मतो (२५ मार्च-१० एप्रिल) लागानो पाटोेर जन्य (फसलेर वयसः १२०-१३० दिन)

- चाषिरा अबिलसे पाट केटे निन। पाट काटोेर परे ३-४ दिन जमिटे पाता बरार जन्य खांडा भावे दांड करिये राखते हवे। एइ बरार पाता पचे, जमि थेके नेओया खादोपादान किछुटा जमिटेइ फिरिये देवे। पाट ठिकमतो पचार जन्य काटा पाट थेके हाट पाट (१.५ मिटोेरर कम लखा) वेछे बाद दिन।
- कला गाछेर काभ जाकेर उपर भार हिसावे देवेन ना। जाकेर उपर सरासरि माटिर चाई देओयर प्रबनता एडिये चलते हवे; परिवर्ते सारेर वा सिमेन्टेर पुरानो वस्तुय माटि भरे, दडि दिये मुख बन्ध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसावे व्यवहार करा यावे। जाकेर उपर कला गाछ ओ माटि सरासरि व्यवहार करले कालो रंयेर निम्नमानेर आँश पाओया याय। उन्नत गुनमानेर पाट पावार जन्य, पुनर्व्यवहारयोग्य एकटु मोटा प्लास्टिकेर थलेते जल भरे मुख बन्ध करे, चाषिरा पाटोेर जाकेर उपर भार हिसावे व्यवहार करते पारेन।
- यदि पाओया याय, चाषिरा पाटोेर जाकेर उपर कचुरिपाना दिते पारेन, एते पाटोेर आँश ভালो हय।
- चाषिरा एक विषा जमिर पाट जाग दिते ४ किलोग्राम वा हेक्टेरे ३० किलोग्राम हिसावे क्राइज्याफ सोना व्यवहार करते पारेन; एते आँशेर गुनमान अनेकटाइ उन्नत हवे, मोट फलने वृद्धि हवे ओ बाजारे ভালो दाम पाओया यावे। जाक तैररीर समय प्रत्येक सुते क्राइज्याफ सोना एमन भावे प्रयोग करते हवे, याते पाटोेर गोडार दिके एकटु बेशि परिमाने ओ डगार दिके अपेक्काकृत कम परिमाने देओया हय।
- ये चाषिरा क्राइज्याफ सोना दिये पाट पचावेन, तारा ८-१० दिन पर थेके जाक परीक्षा करे देखवेन, याते पाट बेशि पचे ना याय।
- पाटोेर पचन हये गेले, आँश छाडिये निये जले ভালोभावे धुये, रोदे शुकिये निते हवे। शुकनो पाटे शतकरा १० भागेर बेशि जल थाकवे ना।



१। यदि क्राइज्याफ सोना व्यवहार करा हय, तवे १० दिन पर परीक्षा करे देखते हवे पचन सम्पूर्ण हयेछे कि ना।

२। सठिक पचनेर जन्य निश्चित हते हवे ये पाटोेर जाक जलेर तलाय किछुटा डूवे आछे।



१२० दिन वयसेर पाट काटा, मार्ते पाता बरार जन्य बाडिलगुलि ३-४ दिन फेले राखते हवे



काछाकाछि पुकुरे वा जलाशये जाक तैररी



यदि पाओया याय, चाषिरा पाटोेर जाकेर उपर कचुरिपाना दिते पारेन, एते पाटोेर आँश ভালो हय

২। ১৫ এপ্রিলের পরে লাগানো পাট (ফসলের বয়সঃ ১১০-১২০ দিন)

- যেহেতু পাট পূর্ণবয়স্ক হয়ে গেছে (১২০ দিন), চাষিরা পাট কেটে নিতে পারেন। পাট কাটার পরে ৩-৪ দিন জমিতে পাতা বারার জন্য খাঁড়া ভাবে দাঁড় করিয়ে রাখতে হবে। এই বারা পাতা পচে, জমি থেকে নেওয়া খাদ্যোপাদান কিছুটা জমিতেই ফিরিয়ে দেবে। পাট ঠিকমতো পচার জন্য কাটা পাট থেকে ছাট পাট (১.৫ মিটারের কম লম্বা) বেছে বাদ দিন।
- কলা গাছের কাণ্ড জাকের উপর ভার হিসাবে দেবেন না। জাকের উপর সরাসরি মাটির চাঁই দেওয়ার প্রবনতা এড়িয়ে চলতে হবে; পরিবর্তে সারের বা সিমেন্টের পুরানো বস্তায় মাটি ভরে, দড়ি দিয়ে মুখ বন্ধ করে জাকের উপর কিছু দূরে দূরে ভার হিসাবে ব্যবহার করা যাবে। জাকের উপর কলা গাছ ও মাটি সরাসরি ব্যবহার করলে কালো রংয়ের নিল্লমানের আঁশ পাওয়া যায়। উন্নত গুণমানের পাট পাবার জন্য, পুনর্ব্যবহারযোগ্য একটু মোটা প্লাস্টিকের থলেতে জল ভরে মুখ বন্ধ করে, চাষিরা পাটের জাকের উপর ভার হিসাবে ব্যবহার করতে পারেন।
- চাষিরা এক বিঘা জমির পাট জাগ দিতে ৪ কিলোগ্রাম বা হেক্টরে ৩০ কিলোগ্রাম হিসাবে ক্রাইজাফ সোনা ব্যবহার করতে পারেন; এতে আঁশের গুণমান অনেকটাই উন্নত হবে, মোট ফলনে বৃদ্ধি হবে ও বাজারে ভালো দাম পাওয়া যাবে। জাক তৈরীর সময় প্রত্যেক স্তরে ক্রাইজাফ সোনা এমন ভাবে প্রয়োগ করতে হবে, যাতে পাটের গোড়ার দিকে একটু বেশি পরিমাণে ও ডগার দিকে অপেক্ষাকৃত কম পরিমাণে দেওয়া হয়।



(১) ১২০ দিন বয়সের পাট কাটা



(২) পাতা বারানোর জন্য পাটের বাউলি রাখা হয়েছে



(৩) জাক তৈরী



(৪) জাকের উপর ক্রাইজাফ সোনা প্রয়োগ করা হচ্ছে, এতে পাটের গুণমান ভালো হবে এবং পাটের পচনকাল কমবে



(৫) পাটের জাক জলে ডোবানোর জন্য সিমেন্টের পুরানো বস্তায় বালি, পাথর, মাটি ইত্যাদি ভরে দেওয়া হচ্ছে



(৬) বিকল্প ভার হিসাবে, প্লাস্টিকের ব্যাগে জল ভরে মুখ বন্ধ করে দেওয়া

३। पाटि ओ मेन्सुा चाषे जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक खामार ब्यबस्त्रा

- वृष्टिर अनियमित बितरण, पाटि पाचानोर जन्य उपयुक्तु सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जलेर योगान, चाषेर खरच ओ कुषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिसे याओया इत्यादि बिबेचना करे देखा याय, चाषिरा पाटि ओ मेन्सुा पाचानोते असुबिधार समुखीन हस्सेन। कम जले एवं सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जले क्रमागत पाटि पाचानोर फले, पाटेर आँशेर मान खाराप हस्से एवं आसुर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारस्से ना।
- एहि सब समस्यार समाधानेर जन्य - बर्या शुरुर आगेहि चाषिरा जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक खामार ब्यबस्त्रा ग्रहन करे पाटि ओ मेन्सुा चाषे लाभवान हते पारैन। साधारनत पाटि चाषेर अष्णले वृष्टिपातेर परिमान ভালो (बार्षिक १२००-२००० मिलिमिटर) एवं एर प्राय ७०-८० शतांश वृष्टिर जल बये चले गिये नष्ठ हय, यार किछुटा अंश जमिर स्वाभाविक निचु दिके पुकुर तैर्री करे धरे राखा येते पारे।

पुकुरेर माप एवं एक एकर जमिर पाटि पाचानोर जन्य पचन पद्धति

- पुकुरटिर आकार हवे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाटि वा मेन्सुा एहि पुकुरे दु'बार जाग देओया यावे। पुकुरेर पाडु यथेष्ठ चओडा (१.५-१.८ मिटर) हवे, याते पे'पे, कला ओ सज्जि लागानो याय। एहि खामार प्रणालि/ ब्यबस्त्राय पुकुर ओ तार पाडु निये मोट आयतन १८० बर्ग मिटर हवे। चाषिरा यदि एहि खामार प्रणालिते आरो बेशि परिमाने जमि ब्यबहारे इच्छुक, तहले पुकुरेर माप ५० फुट-८० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-७०० मइक्रनेर कुषिते ब्यबहार योग्य पलिथिन दिये टेके दिते हवे याते पुकुरेर जल चुइये वा निचे चले गिये नष्ठ ना हय।
- एकससे तिनटि जाक तैर्री करते हवे एवं एक एकाटि जागे तिटि करे सुतर थाकवे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाग २०-७० सेन्टिमिटर उपरे थाकवे एवं जागेर उपर २०-७० सेन्टिमिटर जल थाकवे।

जमि तेहि तैर्री पचन पुकुरेर सुबिधा

- प्रचलित पद्धतिते पाचानोर स्फेद्रे पाटि केटे पाचानोर पुकुरे बये निये याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका एहि पद्धतिते साश्रय हवे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाटि पचे; किन्तु एहि नतुन पद्धतिते एकरे १८ केजि क्राइज्याफ सोना ब्यबहार करे १२-१५ दिने पाटि पचे यावे। द्वितीय बार पाचानोर समय क्राइज्याफ सोना अर्धेक लागवे एवं एते ८०० टाका खरच बाँचवे।
- पाटि पाचानोर जन्य वृष्टिर नतुन धरा जल ब्यबहार करले वा ए समय वृष्टि हले - धीरे बये चला जल पाओया यावे एवं आँशेर गुनमान कमपस्के १-२ ग्रेड उन्नत हवे।

तैर्री करा पुकुरे पाटि ओ मेन्सुा पाचानो छाडाओ वृष्टिर धरा जल आरो बिभिन्न उपाये ब्यबहार करा यावे -

- १। बिभिन्न उच्चतार बागिचा फसल ब्यबस्त्रार माध्यमे पे'पे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्के प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हवे।
 - २। बायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, माणुर, शिप्पि माछ चाष करे ५०-७० केजि माछ पाओया येते पारे।
 - ३। एहि ब्यबस्त्राय मोमाछि पालन करा यावे (प्रति ट्याक्के लाभ ९,००० टाका) एवं एते बीज उत्पादने परागमिलने सुबिधा हवे।
 - ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पेासु तैर्री करे आय हते पारे।
 - ५। एहि पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
 - ७। पाटि पाचानो जल, पाटेर ससे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसलेर सेचेर जन्य ब्यबहार करा यावे एवं प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।
- सुतरां जमि ते एहि पद्धतिते पुकुर बानिये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर स्फुति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिये, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारैन। एछाडाओ एहि पद्धतिते चाषेर फले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचवे। सेहि ससे एहि प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घृषिबाडु इत्यादिर स्फुतिकर प्रभाव कम करते सम्म।



भा.कृ. अनु.प - क्राइज्याफ खामारे पाटि ओ मेन्सुा भित्तिक खामार प्रणालि वा ब्यबस्त्रा प्रवर्तन करे स्वाभाविक स्थाने जलाधार वा पुकुर तैर्री करा हयेस्से

अस्थायी पचन पुकुर

- ये सब जायगाय पाट पचानोर जन्य प्रयोजनीय जल पाओया याय ना, तई अन्यथाय सेखाने अस्थायी पचन पुकुर तैरी करा येते पावे। एक विषा (प्राय ०.१३ हेक्टेर) जमिर पाटोर जन्य पुकुरेर माप १० मिटार लम्बा, ८ मिटार चओड़ा ७ १ मिटार गभीर हवे।
- एई पुकुरे जल भरते हवे। पाट पचाते देवार तिन दिन आगे पुकुरे - ५० केजि शणपाटेर डगा, आगेर पाट पचानो पुकुरेर १०० केजि माटि, १ केजि बोलाणुड एवं १ केजि अयामोनियाम सालफेट दिते हवे, एते पाट पचानोर जीवाणु ताडाताडि बाडवे।
- तिन सुरे पाट, आगेर सुरेर गोडार दिक-परेर सुरेर डगार दिक, एतावे साजिये दिते हवे। जागेर जन्य साजानो पाटेर बाडिलगुलिर उपर ८० टि माटि भर्ति बस्ता भार हिसावे चापिये दिते हवे।
- एक बार पाटेर पचन हये याओयार पर ७ आँश छाडानोर आगे, एई पुकुरेर कालचे हये याओया जल बेर करे दिते हवे एवं परिसकार नतून जल टोकाते हवे। एक घन्टा धरे नतून जल टोकाते हवे, याते थेके याओया कालचे जल पुरोपुरि बेरिये याय। एई ब्यवस्थाय २०-२९ दिने पाट पचे यावे।
- एई पुकुरे क्राइजाफ सोना (८ केजि) ब्यवहार करले पाटेर पचनकाल ८-९ दिन कमवे।
- पाट छाडानो हये गेले, पुकुरेर पाँडु भेडे दिन, चाष दिये कदा करे स्वाभाविक तावे धान रोया करुन।



अस्थायी पुकुर खन



पाट पचानोर पुकुरे जाक साजानोर पद्धति

४। २० एप्रिलेर परे पाट लागानो हले (फसलेर बयसः ९०-८० दिन)

- चाषिदेर परामर्श देओया हछे ये, यदि सठिक समये (१२० दिन बयसे) पाट काटा यावे मने हय, तवे एई समये फसल सुरक्षार जन्य आर किछु करार दरकार नेई। तवे यदि पाट काटते देरि हय, तवे बिछा पोकार आक्रमण बियये सतर्क थाकबेन।
- एई अबस्थाय जमिने जल दाँडिये थाकले, कानु ओ गोड़ा पचा रोग बाडते पावे। तई जल निकाशिर ब्यवस्था करुन। रोगाक्रान्त पाट ओ बेशि सरु पाट तुले फेलुन, एते फलने बेशि तारतम्य हवे ना।
- खुब निचु जमि थेके यदि जमा जल बेर करा संभव ना हय, तवे १००-११० दिन बयसेर पाट केटे फेलुन, एते स्वाभाविक फलनेर ८० शतांश पाओया यावे एवं खरचेर बेशिरभागटाई उठे आसवे। येहेतु ए अबस्थाय जल दाँडानो थाकवे, तई पाता वारानोर जन्य जमिने पाट राखा यावे ना। एई परिस्थितिने पाट पचानोर ट्याक्सेर जलेर गभीरता बुवे २-३ सुरे जाक साजाते हवे।
- कला गाछेर कानु जाकेर उपर भार हिसावे देवेन ना। जाकेर उपर सरासरि माटिर टाई देओयार प्रबनता एडिये चलते हवे; परिवर्ते सारेर वा सिमेन्टेर पुरानो बस्ताय माटि भरे, दडि दिये मुख बन्ध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसावे ब्यवहार करा यावे। जाकेर उपर कला गाछ ओ माटि सरासरि ब्यवहार करले कालो रंगेरे निम्नमानेर आँश पाओया याय।
- चाषिरा एक विषा जमिर पाट जाग दिते ८ किलोग्राम वा हेक्टेरे ३० किलोग्राम हिसावे क्राइजाफ सोना ब्यवहार करते पावेन; एते आँशेर गुनमान अनेकटाई उन्नत हवे, मोट फलने वृद्धि हवे ओ बाजारे बालो दाम पाओया यावे। जाक तैरीर समय प्रत्येक सुरे क्राइजाफ सोना एमन तावे प्रयोग करते हवे, याते पाटेर गोडार दिके एकटु बेशि परिमाने ओ डगार दिके अपेक्षकृत कम परिमाने देओया हय।



উত্তর ২৪ পরগনায় ১১০ দিন বয়সের পাট



হুগলিতে ১০০ দিন বয়সের পাট



বৃষ্টির পরে যদি দিনের তাপমাত্রা বাড়ে ও বাতাসে জলীয় বাষ্পের পরিমাণ বেড়ে যায় - এই অবস্থায় শূঁয়োপোকাকার আক্রমণ হয়। এরা দ্রুত ছড়িয়ে পড়ে। চাষিরা নজর করে এদের ডিম আর শুককীট সহ সব আক্রান্ত পাতা তুলে নষ্ট করে ফেলবেন। প্রয়োজনে ল্যামডা সায়ালোথ্রিন (৫ ইসি) ১ মিলিলিটার বা ইন্ডস্ট্রাকার্ব (১৪.৫ ইসি) ১ মিলিলিটার/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।



নিচু জমির ক্ষেত্রে যদি জমির জমা জল বের করা সম্ভব না হয়, এমন জরুরি অবস্থায় ৯০-১০০ দিন বয়সের পাট কেটে নিন।



পাট কাটার পর কাছাকাছি পুকুরে বা ডোবায় জাক সাজানো

৫। এপ্রিলের শেষ সপ্তাহে লাগানো পাট (ফসলের বয়সঃ ৭৫-৮৫ দিন)

- গাছের পাতা খুব ঘন হয়ে গেলে ও গরম আবহাওয়া চলতে থাকলে, শূঁয়োপোকাকার আক্রমণ বিষয়ে সতর্ক হতে হবে। পাতার উপর এই পোকাকার ডিম ও ছোট ছোট শুককীট এক জায়গায় দলবদ্ধ ভাবে দেখা যায়। পরে দ্রুত ছড়িয়ে পড়ে ও পাতার ক্ষতি করে। তাই চাষিরা নজর করে দেখে, এই সব আক্রান্ত পাতা তুলে নষ্ট করে ফেলবেন। তাছাড়া খুব প্রয়োজনে ল্যামডা সায়ালোথ্রিন (৫ ইসি) ১ মিলিলিটার বা ইন্ডস্ট্রাকার্ব (১৪.৫ ইসি) ১ মিলিলিটার/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।
- পাট চাষের সমস্ত অঞ্চলেই, পাটের ঘোড়াপোকা (সেমিলুপার) পাট পাতা খেয়ে ক্ষতি করে। এরা সরু, সবজে রংয়ের দেহ, হলদে মাথাওয়ালা, গায়ের ধার বরাবর গাঢ় সবুজ রংয়ের লম্বা দাগযুক্ত পোকা, যা চলার সময় মাঝখানটা উল্টানো ইংরাজী ইউ আকৃতির ফাঁসের মতো দেখায়। পাট গাছের ৫০-৮০ দিন বয়সেই বেশি আক্রমণ করে। গাছের উপরের দিককার না খোলা পাতা থেকেই ক্ষতি করা শুরু করে। আর উপরের মোট ৯ টি পাতার মধ্যেই এদের ক্ষতির লক্ষণ দেখা যায়। পাতার ধারগুলো খেয়ে খাঁজ তৈরি করে দেয়; একদম কচি পাতায় আক্রমণ করলে - পাতা আড়াআড়ি ভাবে কাটা দেখা যায়। যদি ক্ষতির পরিমাণ শতকরা ১৫ ভাগ হয়, তবে প্রফেনোফস্ (৫০ ইসি) ২ মিলি বা ফেন্ডেলারেট (২০ ইসি) ১ মিলি বা সাইপারমেথ্রিন (২৫ ইসি) ০.৫ মিলি প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে। স্প্রে করার সময় কেবলমাত্র ডগার পাতাগুলোর দিকেই বেশি করে ওষুধ প্রয়োগ করতে হবে।
- গরম ও জলীয় আকহাওয়ার অবস্থায় জমিতে জল দাঁড়িয়ে থাকলে, কান্ড ও গোড়া পচা রোগ বাড়তে পারে। তাই জল নিকাশির ব্যবস্থা করুন। রোগাক্রান্ত পাট ও বেশি সরু পাট তুলে ফেলুন, এতে ফলনে বেশি তারতম্য হবে না।
- যদি জমা জল বের করা সম্ভব না হয়, তবে ৯০-১০০ দিন বয়সের পাট কেটে ফেলুন, এতে স্বাভাবিক ফলনের ৮০ শতাংশ পাওয়া যাবে এবং খরচের বেশিরভাগটাই উঠে আসবে। যেহেতু এ অবস্থায় জল দাঁড়ানো থাকবে, তাই পাতা ঝরানোর জন্য জমিতে পাট রাখা যাবে না। এই পরিস্থিতিতে পাট পচানোর ট্যাক্সের জলের গভীরতা বুঝে ২-৩ স্তরে জাক সাজাতে হবে। জাকের উপর কলা গাছ বা সরাসরি মাটি দেবেন না। তাড়াতাড়ি পাটের পচন ও ভালো মানের পাট পেতে এক বিঘা জমির পাট পচাতে ৪ কিলো ক্রাইজাফ সোনা ব্যবহার করার পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে।



९०-१०० दिन बयसेर पाट

वृष्टि पुरे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ बातासे जलीय बाष्पेर परिमान बेडे याय - एई अबस्थाय षुँयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छड़िये पड़े। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटांर बा इन्डुक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



निचू जमिर फ्लेद्रे यदि जमिर जमा जल बेर करा संभव ना हय, एमन जरुरि अबस्थाय ८०-९० दिन बयसेर पाट केटे नि।

स्वाभाविक फ्लेद्रे पाटेर जमिटे ५-१० शतांश गोड़ा पचा बा कांठ पचा रोगाक्रान्त पाट गाछ देखा याय। जमिटे जल जमले एई रोगेर आक्रमण बेशि हय। ताई जमा जल जमि थेके बेर करे दिते हवे। सरू ओ छोटो पाट गाछुलि तुले फेलते हवे, फले पाट छाड़ानोर समय सुबिधा हवे।



७। मे मासेर प्रथम सण्ठाहे लागानो पाट (फसलेर बयसः १०-१५ दिन)

- गरम ओ जलीय आवहाओयाय पाट पाताय म्याक्रोफोमिना फ्यासिओलिना -र आक्रमण हते पारे, या पातार बाँटा ओ पत्र किनारार माध्यमे क्रमे पाट गाछेर कांठे आक्रमण छड़िये कांठ पचा रोग सृष्टि करे। प्रतिरक्षामूलक स्त्रे हिसाबे कार्बन्डाजिम २ ग्राम प्रति लिटांर जले मिशिये २० दिन पर पर प्रयोग करा येते पारे। जमिटे जल जमा अबस्थाय थाकले एई रोगेर आशंका बाडे, ताई जमिटे सठिक जल निकाशि व्यवस्था अत्यावश्यक।
- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टि पुरे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ बातासे जलीय बाष्पेर परिमान बेडे याय - एई अबस्थाय षुँयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एई पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा याय। पुरे द्रुत छड़िये पड़े ओ पातार ऋति करे। ताई चाषिरा नजर करे देखे, एई सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताहाछा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटांर बा इन्डुक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।

- पाट चाषेर समस्त अक्षलेई, पाटेर षोडापोका (सेमिलुपार) पाट पाता खेये ऋति करे। एरा सरु, सबजे रण्येर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाट सबुज रण्येर लम्बा दागयुक्त पोका, या चलार समय मावाखानटा उल्टानो इंगराजी ইউ आकृतिर याँसेर मतो देखाय। पाट गाखेर ५०-८० दिन बयसेई बेशि आक्रमण करे। गाखेर उपरेर दिककार ना खोला पाता थेकेई ऋति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्येई एदेर ऋतिर लक्षण देखा याय। पातार धारगुलो खेये खाँज तैरी करे देय; एकदम कटि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भावे काटा देखा याय। यदि ऋतिर परिमान शतकरा १५ भाग हय, तबे प्रफेनोफस् (५० इसि) २ मिलि बा फेनडेलेरट (२० इसि) १ मिलि बा साईपारमेथ्रिन (२५ इसि) ०.५ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हबे। स्प्रे करार समय केवलमात्र डगार पातागुलोेर दिकेई बेशि करे षुषु प्रयोग करते हबे।
- खुब निचु जमि थेके यदि जमा जल बेर करा संभव ना हय, तबे ८०-९० दिन बयसेर पाट केटे फेलुन, एते स्वाभाविक फलनेर ५०-७० शतांश पाओया यावे एबं चाषेर खरचेर बेश किछुटा उठे आसबे।



वृष्टि र परे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ष वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेडे याय - एई अबस्थाय षुँयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छडिये पडे। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुकरकीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ इसि) १ मिलिलिटार बा इडुक्कार्ब (१४.५ इसि) १ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हबे।



हगलि जेलाय बेश किछु अक्षले काड पचा ष शिकड पचा रोगेर प्रादुर्भाव देखा गेखे। डबिष्यते एई रोग सुसंहत पद्धतिते नियन्त्रण करते हबे : (क) अन्न जमिते हेक्टर प्रति २-४ टन चून प्रयोग; (ख) आलुर जमिते पाट ना लागानो; (ग) कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति केजिते बा ट्राइकोडारमा १० ग्राम प्रति केजि मिशिये बीज शोधन; (घ) जमिते जल जमते ना देओया; (ङ) प्राथमिक भावे २ ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करा।



यदि षोडापोकार (सेमिलुपार) द्वारा ऋतिर परिमान शतकरा १५ भाग वा बेशि हय, तबे प्रफेनोफस् (५० इसि) २ मिलि बा फेनडेलेरट (२० इसि) १ मिलि बा साईपारमेथ्रिन (२५ इसि) ०.५ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हबे। स्प्रे करार समय केवलमात्र डगार पातागुलोेर दिकेई बेशि करे षुषु प्रयोग करते हबे।

III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलें कृषि परामर्श

क) सिसाल

माध्यमिक नार्सारि प्रस्तुति ओ परिचर्या

- ये सब सिसाल चरिषा इतौमथेई माध्यमिक नार्सारि तैरी करेछेन, तारा ई नार्सारि जल निकाशि व्यवस्था करबेन ओ नार्सारि आगाछा मुक्त राखबेन। सुस्थ साकार पावार जन्य मेटालास्त्रिल २५ शतांश एवं म्यानकोजेव १२ शतांश मिश्रण ०.२५ शतांश हारे स्त्रे करे अन्तरवती परिचर्या करते हवे। उद्दिद खाद्योपादान योगान ओ आगाछा दमनेन जल सिसाल कम्पोस्ट व्यवहार करा येते पारे।
- प्राथमिक नार्सारि ते बड़ करा वुलविल, माध्यमिक नार्सारि ते ५०-२५ सेमि दूरते लागते हवे। प्रतेक एकादश सारि खालि छाड़ते हवे, याते आगाछा नियन्त्रण ओ अन्तरवती परिचर्या सुविधा हय। लागानेन आगे म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालास्त्रिल ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिश्रिये २० मिनिटेन जल वुलविलेन पाता ओ शिकड़ धुये निते हवे। एक हेक्टेर नार्सारि ते ८०,००० साकार लागानो यय तवे शेष पर्यन्त १२,०००-१७,००० साकार बाँचे।
- माध्यमिक नार्सारि ते, डिवनारेन साहाये ५.०-१.५ सेमि गतीर करे वुलविल लागते हवे। प्रति एकादश सारि खालि छाड़ते हवे, परे आगाछा दमन ओ अन्तरवती परिचर्या सुविधा हवे।
- माध्यमिक नार्सारि तैरीन समय ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७०:३०:३० किलो एन.पि.के. सार दिते हवे, एते सिसालेन चारा माध्यमिक नार्सारि ते द्रत बाड़ते पारवे। नाइट्रोजेन सार भाग करे तिन वारे प्रयोग करते हवे। जमि तैरीन समय एक तृतीयांश, लागानेन २८ दिन पर आगाछा दमनेन पर एक तृतीयांश, आर बाकि एक तृतीयांश लागानेन ५०-५५ दिन पर प्रयोग करते हवे। हाईब्रिड सिसालेन स्फेओ ओ एकई पद्धति अनुसरण करते हवे।

सिसालेन मूल जमि थेके साकार संग्रह

- प्राथमिक ओ माध्यमिक नार्सारि माध्यमे वुलविल थेके साकार तैरीन पाशापाशि, आगे थेके लागानो सिसालेन मूल पुरानो जमि थेके साकार संग्रह करा यावे। साधारणत एकटि सिसाल गाछ थेके बहरे २-३ टि साकार पाओया यय। वर्षार शुरुते एईसव उपयुक्त साकार तुले - सरासरि नतून मूल जमि ते लागानो यावे। साकार लागानेन आगे पुरानो शिकड़ हेँटे फेलते हवे ओ शुकिये याओया पाता फेले दिते हवे। तवे खेयाल राखते हवे ये शिकड़ हेँटे फेलार समय, साकारेन गोड़ार अधल येन क्षतिग्रन्त ना हय।

नतून सिसाल खेतें परिचर्या

- एक-दुई बहरेन सिसाल स्फेते आगाछा नियन्त्रेन व्यवस्था करते हवे, याते सिसालेन जल ओ खाद्येन जल आगाछार सङ्गे प्रतियोगिता कमे यय। जेवरा रोगेन प्राथमिक लक्षण देखा गेले - कपार अस्त्रिकोरिड ३ ग्राम प्रति लिटारे वा म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालास्त्रिल ८ शतांश मिश्रण २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिश्रिये प्रयोग करते हवे। सठिक वृद्धि ओ फलनेन जल हेक्टेर प्रति २ टन सिसाल कम्पोस्ट एवं ७०:३०:३० किलो एन.पि.के. सार प्रयोग करते हवे।



माध्यमिक नार्सारि



पिटि खोड़ा ओ जेड़ा सारि पद्धति ते सिसाल साकार लागानो



सिसाल साकार



जेड़ा सारि सिसाल

मूल जमिंते सिसाल लागानो

- माटिंर ऋय रूध करते, सिसाल साकार जमिंर स्वाभाविक ढालेर आडाआडिं ओ समोन्नति रेखा बराबर लागते हवे। साकार संग्रहेर ४५ दिनेर मध्ये जमिंते साकार लागानो सम्पूर्ण करते हवे। लागानेर परे हेक्टेर प्रति कमपक्से १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखते हवे, याते प्रयोजने कोनो कारणे खालि यये याओया जयगय आबार सिसाल चारा लागिंये जमिंते सिसाल चारार आदर्श संख्या बजय राखा यय।
- पुरानो मूलजमिंर सिसाल थेके सरासरी तोला सिसाल साकारेर परिवर्ते, माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसालेर नतून मूल जमिंते चारा लागते पारले भालो हय। साकारेर आकार (साइज) ३० सेमि लम्बा, २५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हते हवे। ये सब साकारे रूग-पूकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेर (खादुंयेर वा जलेर अभाव युक्त) लम्फण आछे, सेणुलि बाद दिते हवे।
- माध्यमिक नार्सारीते बड़ करा साकार, पुरानो पाता ओ शिकड़ छेँटे मूल जमिंते लागते हवे। लागानेर आगे म्यानकोजेब ७४ शतांश ओ मोटालाक्लि ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिंये २० मिनिटेर जन्य साकारेर शिकड़ अणुल धुंये निते हवे। पिटेर ठिक माखांने साकार लागते हवे।
- सिसाल गाछेर द्रुत वृद्धिंर जन्य हेक्टेर प्रति ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ३० केजि फसफेट, ७० केजि पाटाश दिते हवे। नाइट्रोजेन सार २ बारे दिते हवे - मोट परिमानेर अर्धेक बर्या शुरुंर आगे, आर बाकि अर्धेक बर्या चले याबार पर।
- ये सब चाशिंरा एखनो जमिं निर्वाचन करेननि, तादेर जल ना दौंढाय एमन जमिं निर्वाचन करते हवे याते कमपक्से १५ सेमि गाडींर माटिं थाकते हवे। ढालु जमिंते सिसाल चाषेर ऋद्रे, पुरो जमिं चाष देवार दरकार नेई।
- आगाछा, ढोपवाड़ परिक्कार करे १ घन फुटेर पिट ३.५ मिंढार — १ मिंढार-१ मिंढार दूरे दूरे वानाते हवे, एते ४,५०० टि पिट हवे येथाने बर्यांर शुरुंते दुई सारीं (डबलू रू) पद्धतिंते सिसाल लागते हवे। तवे प्रतिकूलपरिस्थितिंते ३.० मिंढार — १ मिंढार-१ मिंढार दूरे दूरे पिट करे, प्रति हेक्टेरे ५,००० टि साकार लागानो यावे।
- सिसालेर जन्य तैरी करा पिट, माटिं ओ सिसाल कम्पोस्ट दिंये भर्तिं करते हवे, याते माटिं बुरबुरे थाके। अन्न माटिंर जमिंते हेक्टेर प्रति २.५ टन हारे चून प्रयोग करते हवे। पिटेर गर्तेर मध्ये एमन भावे माटिं पूर्ण करते हवे याते १-२ ईण्ड्रूँ हये थाके, एते सिसाल साकार सहजे दौंढाते पारवे।

सिसालेर सङ्गे अन्तरवतीं फसलेर चाष

- दुईसारीं सिसालेर माखांने, अन्तरवतीं फसल हिंसावे शिंशुगोद्रींय फसल येमन- बरवटिं, मुग इत्यादि लाभजनक भावे चाष करा यय। एते येमन अतिरिक्त आय हवे, सेई सङ्गे माटिंर उर्वरता वाड़वे ओ आगाछा नियन्त्रणे थाकवे।



सिसाल सारिंर माखांने फल वागिचार परिचर्या

अन्तरवतीं फसल हिंसावे (१) रागिं, (२) बरवटिं, (३) मुग



ख) रेमि



- रेमि उत्पादनेर सब अषुधलेर जन्यै रेमिेर जमिेते षास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुइजालोफप इथाइल (५ इंसि) १ मिलि प्रति लिटार जले मिशिेये प्रयोेग करते हवे।
- एइ समय रेमिेर जमिेते इन्डियान रेड ए्याडमिराल क्यारिपिलार, हेयारि क्यारिपिलार, लेडि बार्ड विटल, उई पोका, लिफ विटल एवंग पाता मोड़ा पोका देखा यार। आक्रमणेेर मात्रानुसारे, क्लोरपाइरिफस् ०.०८ शतांश प्रयोेग करते हवे। एइ समये सारकोसपोरा लिफ स्पट, क्लेरेशियाम रट, ए्यान्थ्रकनोज लिफ स्पट, ड्याम्पिंग अफ एवंग हलुद मोजेइक रोग देखा दिते पारे। छत्राकनाशक येमन - म्यानकोजेव २.५ मिलि वा प्रपिकोनोजेल १ मिलि प्रति लिटार जले मिशिेये स्प्रे करते हवे। तवे, सबसमय आक्रमणेेर मात्रा वुवे कीटनाशक वा छत्राकनाशक प्रयोेग करते हवे।
- आवहाओयार पूर्वाभास अनुसारे, आसामेर रेमिे उत्पादनेर अषुधले बज्रविदुंसह मावारी थेके भारी वृष्टिेर संभावना। रेमिे जल जमा एकदम सह करते पारे ना, तई रेमिेर जमिेते जल निकाशि व्यवस्था करते हवे।
- जमिेते जल जमे याओयार जन्य रेमिे गाछेर पाता हलुद हये येते पारे। अबिलस्ये जमिे थेके जल बेर करे दिये रेमिे फसल बाँचाते हवे।



रेमिे प्लानटेशन



रेमिे फसल काटा



रेमिेर आँश छाड़ानो



बाछैे क्मताहीन रासायनिक आगाछानाशक (नन-सिलेक्डिड हार्विसाइड) प्रयोेग



अबिलस्ये जमिे थेके जल बेर करे दिये रेमिे फसल बाँचाते हवे



छाड़ानो रेमिे तन्तु (आठा सह)

ग) शणपाट (सानहेम्प)

१। एप्रिले र मावामाखि सडडये लागाने शणपाट (फसले र वयसः १००-१०५ दिन)

- चाखिदे र, जाक सडडुर्ण हयेखे कि ना ता परख करार परामर्श देओया हखे। यदि जाक हये थाके, तवे बाखिलगुलि ७-८ वार जले र उपर धाक्का वा बाडि दिते हवे, एते अतिरिक्त लिगनिन वेरिये यावे। परे जले रेखे आगे-पिखे करे परिस्कार करे, धोया बाखिलगुलि खाँडा करे राखते हवे, याते आँश ओ कार्ठि थेके जल बरे यय।
- बाखिले र जल बरे गेले, कार्ठि थेके आँश गेँडा थेके डगार दिके छाडिये निते हवे। छाडाने आँश रोदे शुकिये बाखिल करे बाजारजात करते हवे।



१। पचाने बाखिल जले बाडा, २। आँश जले धोया, ३। आँश आलादा करा, ४। आँश शुकाने

२। २० एप्रिले र परे लागाने शणपाट (वयसः १५-१०० दिन)

- १०-१०० दिन वयसे र शणपाट केटे नेओया येते परे। कासुते दिये गेँडा थेके केटे १५-२० सेन्टिमिटर आकारे र बाखिल वेँधे निते हवे, एते पचाते ओ आँश धुते सुविधा हवे। शणपाटे र डगार नरम अंशटा केटे गोखाद्य हिसावे वा माटिते मिशिये सबुज सार हिसावे व्यवहार करा येते परे।
- शणपाटे र बाखिलगुलि पाशापाशि आनुभूमिक भावे रेखे सुविधाजनक आकारे र पाटातने र मते करे, बाँश दिये वेँधे वा भार चापिये जले र २०-२५ सेन्टिमिटर निचे डुबिये देओया हय। तापमात्रा आनुसारे पचन हते साधारणत ७-५ दिन लागे। कार्ठि थेके सहजे आँश छाडाने याखे कि ना देखे - पचन सडडुर्ण हयेखे बोवा यय।



१०-१०० दिन वयसे र शणपाट काटा



काटा शणपाटे र बाखिल तेरी



काहाकाहि जलाशये जाक तेरी

३। एप्रिले शेष सप्तमाहे लागानो शणपाट (बयसः ८५-९० दिन)

- बर्षार प्रभावे यदि बेशि वृष्टि हय, सेखाने जल जमे धसा (भास्कुलार उईल्ट) रोगेर प्रकोप हते पारे। ए अबस्वाय डाल बराबर नाला करे अतिरिक्त जल निकाशि करे बेर करे दिते हवे।
- काछाकाछि पुकुर वा जलाशय तैरी राखते हवे, येखाने १०० दिने शणपाट केटे जाग देओया यावे।



९० दिनेर शणपाट फसल



जमि थेके जल बेर करा

४। मे मासेर प्रथम सप्तमाहे लागानो शणपाट (बयसः ८०-८५ दिन)

- यदि एर मध्ये वृष्टि ना हये थाके एवं माटिते जलेर अभाव हय, तवे हालका सेचेर परामर्श देओया हच्चे।
- ये सब अक्षणे बेशि वृष्टि हय, सेखाने जल जमे धसा (उईल्ट) रोगेर प्रकोप हते पारे। ए अबस्वाय अतिरिक्त जल निकाशि करे बेर करे दिते हवे।
- शुँयोपोकार आक्रमण बिषये चाषिदेर सतर्क हते हवे। आक्रमणेर मात्रा बेशि हले, ल्यामडा साईहालोथ्रिन् ५ ईसि १ मिलिलिटर वा इनडक्काकार्ब १४.५ ईसि १ मिलिलिटर प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग करत हवे।



७५-९० दिनेर शणपाट फसल



शुँयोपोका द्वारा आक्रान्त शणपाट फसल

घ) मेन्ता

१। मे मासैर शेष सप्ताहे मेन्ता लागानो (फसलैर बयस ७० दिन)

- जलीय गरम आवहाओयय काढ ओ गोड़ा पचा रोगैर प्रादुर्भाव हते पारे, या वृष्टि र समय द्रुत छड़िये पारे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करुन। कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोड़ार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेन्तार पातार धार थेके शुरू हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बरे येते पारे। रोगैर आक्रमण प्रतिहत करते-कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



७०-९० दिन बयसैर फसल

२। जून मासैर प्रथम सप्ताहे मेन्ता लागानो (फसलैर बयस ५०-७० दिन)

- जलीय गरम आवहाओयय काढ ओ गोड़ा पचा रोगैर प्रादुर्भाव हते पारे, या वृष्टि र समय द्रुत छड़िये पारे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करुन। कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोड़ार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेन्तार पातार धार थेके शुरू हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बरे येते पारे। रोगैर आक्रमण प्रतिहत करते-कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- यदि टाना शुक्रनो आवहाओया चलते থাকे, तबे दईये पोकार (मिलिबाग) उपद्रव हते पारे। जमि परिदर्शन करे दईये पोकार कलानी यतोटा संभव दूर करे, प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलिलिटार प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



७० दिन बयसैर फसल

३। जून मासैर माबामाबि समये मेन्ता लागानो (फसलैर बयस ४०-५० दिन)

- सरु पाता घास जातीय आगाछा दमनेर जन्य कुईजालोफप ईथाईल ५ ईसि ०.१ शतांश प्रयोग करते हवे परे एक बार हात निडानि दिते हवे। अन्यान्य आगाछा दमनेर जन्य स्क्रापार लागानो क्विजाफ नेल उईडार वा एक चाका पाट निडानि यन्त्र (सिग्ल हईल जुट उईडार) व्यवहार करा यावे। प्रथम चापान हिसाबे हेक्टर प्रति २० किलो नाइट्रोजेन सार प्रयोग करते हवे।
- जलीय गरम आवहाओयय काढ ओ गोड़ा पचा रोगैर प्रादुर्भाव हते पारे, या वृष्टि र समय द्रुत छड़िये पारे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करुन। कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोड़ार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेन्तार पातार धार थेके शुरू हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बरे येते पारे। रोगैर आक्रमण प्रतिहत करते-कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



४० दिन बयसैर मेन्ता

४। जून मासेस शेष सपुत्रहे लागानो मेसुता (फसलेस बयस ७०-८० दिन)

- आगे थेके रये याओया अन्यान्य आगाछा दमनेस जन्य सुत्रापार लागानो क्रिजुाफ नेल उईडार वा एक चाका पाटि निडानि यसुत्र (सिपुल हईल जुट उईडार) ब्यबहार करा यावे। द्वितीय चापान हिसावे हेसुत्र प्रति २० किलो नाईट्रोजेन सार मेसुता लागानोस ८० दिन पारे प्रयेोग करते हवे।
- यदि बेशि वृषुति हय तवे जल निकशि ब्यबसुथा करते हवे, याते चारा माटि थेके आसा रोगे रोगाकुरासुत ना हय एवं मेसुता ठिक मते बाडते पारे।
- जलीय गरम आवहाओयाय काडु ओ गोडा पचा रोगेस प्रादुर्भाव हते पारे, या वृषुतिर समय दुरत हडिये पारे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकशि ब्यबसुथा करुन। कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ८-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेस गोडार दिके सुष्रे करते हवे।
- मेसुतार पातार धार थेके सुरु हये क्रमशु भितर दिके पातार फेमा बलसा रोगे हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बारे येते पारे। रोगेस आकुरमण प्रतिहत करते- कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ८-५ ग्राम वा म्यानकोजेव २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये सुष्रे करते हवे।
- चाषिदेस एई समय फ्लि विटुल पोकार आकुरमण बियये सतर्क थाकते हवे। एई पोका पातार बीजपद्रे एवं छोटो चारा गाछेस कचि पाताय फुटो करे सुकृति करे। इमिडाक्लोरपिड (११.८ एस.सि) ०.७ मिलि वा प्रफेनोफसु (५० ईसि) २ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये सुष्रे करते हवे।
- यदि टाना सुकनो आवहाओया चलते थाके, तवे दईये पोकार (मिलिबाग) उपद्रव हते पारे। जमि परिदर्शन करे दईये पोकार कलोनैी यतेतोा सुभव दूर करे, प्रफेनोफसु (५० ईसि) २ मिलिलिटार प्रति लिटार जले मिशिये सुष्रे करते हवे।



गोडा ओ काडु पचा रोगे



मेसुतार फेमा पाता बलसा रोगे

५। जुलाई मासेस प्रथम सपुत्रहे लागानो मेसुता (फसलेस बयस २०-७० दिन)

- अन्यान्य आगाछा दमनेस जन्य सुत्रापार लागानो क्रिजुाफ नेल उईडार वा एक चाका पाटि निडानि यसुत्र (सिपुल हईल जुट उईडार) ब्यबहार करा यावे। प्रथम चापान हिसावे हेसुत्र प्रति २० किलो नाईट्रोजेन सार मेसुता लागानोस २० दिन पर प्रयेोग करते हवे।
- चाषिदेस एई समय फ्लि विटुल पोकार आकुरमण बियये सतर्क थाकते हवे। एई पोका पातार बीजपद्रे एवं छोटो चारा गाछेस कचि पाताय फुटो करे सुकृति करे। इमिडाक्लोरपिड (११.८ एस.सि) ०.७ मिलि वा प्रफेनोफसु (५० ईसि) २ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये सुष्रे करते हवे।
- जलीय गरम आवहाओयाय काडु ओ गोडा पचा रोगेस प्रादुर्भाव हते पारे, या वृषुतिर समय दुरत हडिये पारे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकशि ब्यबसुथा करुन। कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ८-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेस गोडार दिके सुष्रे करते हवे।
- मेसुतार पातार धार थेके सुरु हये क्रमशु भितर दिके पातार फेमा बलसा रोगे हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बारे येते पारे। रोगेस आकुरमण प्रतिहत करते- कपार अक्लिक्लोराइड (५० शतांश) ८-५ ग्राम वा म्यानकोजेव २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये सुष्रे करते हवे।
- यदि टाना सुकनो आवहाओया चलते थाके, तवे दईये पोकार (मिलिबाग) उपद्रव हते पारे। जमि परिदर्शन करे दईये पोकार कलोनैी यतेतोा सुभव दूर करे, प्रफेनोफसु (५० ईसि) २ मिलिलिटार प्रति लिटार जले मिशिये सुष्रे करते हवे।

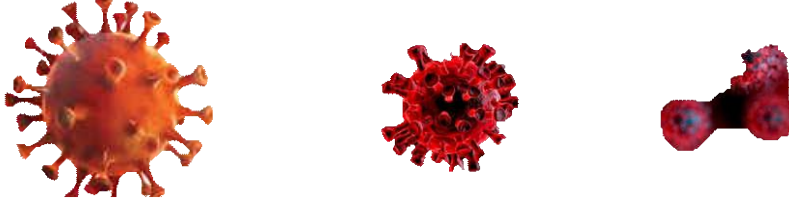


गोडा ओ काडु पचा रोगे



मेसुतार फेमा पाता बलसा रोगे

IV. कोरोना (COVID-19) ভাইরাসের সংক্রমণ ছড়িয়ে পড়া ঠেকাতে যে যে নিরাপত্তামূলক ও প্রতিরোধ ব্যবস্থা গ্রহন করতে হবে এবং মেনে চলতে হবে



- কৃষকদের চাষবাসের কাজের সময় নিরাপত্তা ব্যবস্থা হিসাবে এক জনের থেকে আরেক জনের সামাজিক দূরত্ব বজায় রাখতে হবে। চাষিরা জমি চাষ, বীজ বপন, আগাছা নিয়ন্ত্রণ, জলসেচ দেওয়া ইত্যাদি কাজের সময় ডাক্তারি পরামর্শ মতো মুখোস (মাস্ক) পরবেন, আর মাঝে মাঝে সাবান-জল দিয়ে হাত ধোবেন।
- পাট কাটা ও কাছাকাছি পুকুর বা ডোবায় জাগ দেবার সময় একজন থেকে আরেক জনের নির্ধারিত দূরত্ব বজায় রাখুন ও মুখ-নাক ঢাকা রাখার জন্য সঠিক মুখোস (মাস্ক) ব্যবহার করুন। যতোটা সম্ভব পারিবারিক লোকজন ব্যবহার করেই পাট জাগের ব্যবস্থা করুন, যাতে বাইরের কোনো করোনা আক্রান্ত ব্যক্তি এই কাজে জনমজুর হিসাবে ঢুকে পড়তে না পারে।
- যখন একই কৃষি যন্ত্রপাতি যেমন - লাঙ্গল, ট্রাক্টর, পাওয়ার টিলার, বীজ বপন যন্ত্র, নিড়ানি যন্ত্র, জলসেচের পাম্প অনেকে মিলে পর পর ভাগাভাগি করে ব্যবহার করবেন, তখন খেয়াল রাখতে হবে এই যন্ত্রপাতিগুলি যেন সঠিকভাবে পরিষ্কার করা হয়। কৃষি যন্ত্রপাতির যে যে অংশ বার বার হাত দিয়ে স্পর্শ করতে হয়, সেই অংশটা সাবান জল দিয়ে ধুয়ে নিতে হবে।
- চাষের কাজের ফাঁকে অবসরের সময়, খাবার খাওয়ার সময়, বীজ শোধনের সময় এবং সার নামানো বা তোলায় সময় - পর্যাপ্ত সামাজিক দূরত্ব (কম পক্ষে ৩-৪ ফুট) বজায় রাখতে হবে।
- যতোটা সম্ভব, কৃষি কাজে পরিচিত লোকদেরই কাজে লাগান। ভালোভাবে খোঁজ খবর নিয়েই সেই মজুর কাজে লাগাতে হবে, যাতে কোনো করোনা ভাইরাস বাহক কৃষিকাজে আপনার অঞ্চলে চলে আসতে না পারে।
- বীজ ও সার পরিচিত দোকান থেকে কিনবেন এবং দোকান থেকে ফিরে আসার পরেই সাবান জল দিয়ে ভালোভাবে হাত ধুয়ে নেবেন। বাজারে বীজ, সার ইত্যাদি কিনতে যাবার সময় অবশ্যই মুখোস (মাস্ক) পরবেন।
- কোভিড-১৯ ভাইরাস রোগ সংক্রান্ত জরুরি স্বাস্থ্য পরিসেবা বিষয়ে তথ্য জানার জন্য আপনার স্মার্ট মোবাইলে 'আরোগ্য সেতু' নামের এপ্লিকেশন সফটওয়্যার ব্যবহার করুন।

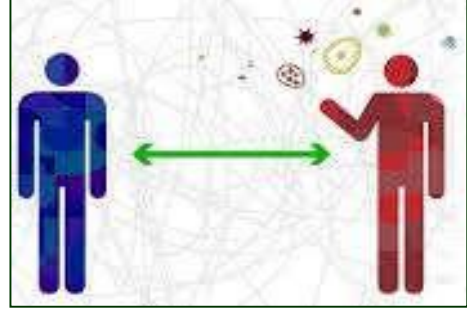


Aarogya Setu

স্মৃতিস্তম্ভ | হস্ত স্মৃতিস্তম্ভ | মানব স্মৃতিস্তম্ভ



V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चालाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरा मावे मावे हात धुये निते पारेन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरा धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरा रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जुतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरस्कार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये परामर्श मतो सामाजिक दुरत वजाय থাকे।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनेर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादेर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाइज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडाओ मेशिनेर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिये परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेस्कारुत फाँका वा भिडु कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादेर भाइरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरा टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिडु करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दुरत वजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिरा ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनि अबिलस्हे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।

आपनादेर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

परिकल्पना ओ प्रकाशना :

ड. गौराङ्ग कर,
निर्देशक,
आई.सि.ए.आर-क्रिजाफ,
नीलगण्ज, ब्यारकपुर,
कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

Acknowledgement: The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory (Issue No: 14/2020)